

ये अव्यक्त इशारे

“निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर
सदा निर्भय और निश्चित रहो”

29-03-2026

आपस में एक दो के प्रति सच्चा स्नेह हो, तो स्नेही आत्मा के प्रति कभी अनुमान पैदा नहीं होगा। उनके स्नेह के बोल, साधारण होते भी फील नहीं होंगे। उनका हल्का बोल भी ऐसे लगेगा कि इसने अवश्य कोड़े मतलब से कहा होगा। बेमतलब, व्यर्थ नहीं लगेगा। जहाँ स्नेह होता है, वहाँ फेथ जरूर होता है। तो ब्रह्मण परिवार में एक दो के प्रति इतना स्नेह वा फेथ रख सम्पूर्ण निश्चय बुद्धि बनो तब ब्रह्मा बाप की आशाओं को पूरा कर सकेंगे।

**Make your foundation of faith strong and
remain constantly fearless and carefree.**

Have real love for one another, and you will never assume anything about a loving soul. Loving words, although ordinary, would not be felt as such. Words spoken lightly will feel as though those words have been spoken for some purpose. They are not meaningless or wasteful words. Where there is love, there will definitely be faith. So, in the Brahmin family, have love for and faith in one another and have a completely faithful intellect. Only then will you be able to fulfil the hopes of Father Brahma.